

को फिर मोहलत
श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर और
लद्दाख उच्च न्यायालय ने कश्मीरों से
संबंधित 25 वस्तुओं पर याचिकाओं पर
चुनौती देने वाली याचिकाओं पर
जवाब देने के लिए कट कर और एक
महने के का अतिरिक्त समय दिया है।
इससे पहले 11 फरवरी के एक आदेश
में न्यायालय ने कहा था कि
प्रतिवादियों में से एक ने अभी तक
अपनी आपत्तियां दर्ज नहीं की हैं।

बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ मुरादाबाद कोर्ट से गैर जमानती वारंट जारी

शाह टाइम्स ब्यूरो मुरादाबाद। बॉलीवुड अभिनेत्री अमीषा पटेल के खिलाफ मुरादाबाद की प्रधानाचार्य रंजू बिशनोई ने बच्चों को परीक्षा देने के लें। विषयों को समझने के बाद रीजिजन पर ध्यान दें। टाइम मैनेजमेंट एक टाइम टेबल बनाएं और उसका पालन करें। कठिन विषयों को प्राथमिकता दें, आसान विषयों को समय बचाए/पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र- परीक्षा पैटर्न समझने और समय प्रबंधन के लिए प्रैक्टिस करें। महत्वपूर्ण प्रश्नों को चिह्नित करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद, और नियमित व्यायाम करें। तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन अपनाएं। महत्वपूर्ण बिंदुओं को नोट करें, इससे रीजिजन में मदद मिलेगी। दोस्तों के साथ ग्रुप स्टडी करें, एक-दूसरे की मदद करें। सकारात्मक सोचें, आत्मविश्वास बनाए रखें। कठिनाइयों को सामना धैर्य और दृढ़ता से करें। आप सभी मेहनती और प्रतिभाशाली हैं। विश्वास रखें कि आप सफल होंगे। ईश्वर आप सभी को आंखों में सपने और दिल में जीत का जन्मा दे।



रुख अपनाया और गैर जमानती वारंट जारी कर पुलिस को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए

हैं। पीडित पक्ष के अधिवक्ता पंकज शर्मा ने बताया कि लगभग दो वर्ष पूर्व अभिनेत्री ने जिला जज की अदालत से जमानत ली थी। जमानत की शर्तों में बिना अनुमति विदेश यात्रा न करने और नियमित रूप से अदालत में उपस्थित रहने की बात शामिल थी। 9 फरवरी 2026 को व्यक्तिगत उपस्थिति का आदेश होने के बावजूद पेशा न होने पर अदालत ने यह कार्रवाई की। इसके अलावा अभिनेत्री के सहयोगी सुरेश परमार, मैनेजर अहमद शरीफ और पीआर कंपनी के मालिक राजकुमार गोस्वामी के खिलाफ जमानती वारंट जारी किए गए हैं। अब मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया पर सभी को नजर टिकी है।

हार्वर्ड कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्य ने बच्चों को दिए परीक्षा के टिप्स

कांठ (शाह टाइम्स)। हार्वर्ड कान्वेंट स्कूल की प्रधानाचार्य रंजू बिशनोई ने बच्चों को परीक्षा देने के



टिप्स दिए उन्होंने कहा कि सफलता के लिए सिर्फ पढ़ाई ही नहीं, बल्कि रणनीति और समर्पण भी जरूरी है। इसी उद्देश्य से, आपके लिए कुछ प्रभावी टिप्स लेकर आई हूँ। बताया कि स्वाध्याय का नियमित अभ्यास रोजाना 6-8 घंटे पढ़ाई करें, बीच-बीच में ब्रेक

लें। विषयों को समझने के बाद रीजिजन पर ध्यान दें। टाइम मैनेजमेंट एक टाइम टेबल बनाएं और उसका पालन करें। कठिन विषयों को प्राथमिकता दें, आसान विषयों को समय बचाए/पिछले वर्षों के प्रश्नपत्र- परीक्षा पैटर्न समझने और समय प्रबंधन के लिए प्रैक्टिस करें। महत्वपूर्ण प्रश्नों को चिह्नित करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें पौष्टिक भोजन, पर्याप्त नींद, और नियमित व्यायाम करें। तनाव कम करने के लिए योग या मेडिटेशन अपनाएं। महत्वपूर्ण बिंदुओं को नोट करें, इससे रीजिजन में मदद मिलेगी। दोस्तों के साथ ग्रुप स्टडी करें, एक-दूसरे की मदद करें। सकारात्मक सोचें, आत्मविश्वास बनाए रखें। कठिनाइयों को सामना धैर्य और दृढ़ता से करें। आप सभी मेहनती और प्रतिभाशाली हैं। विश्वास रखें कि आप सफल होंगे। ईश्वर आप सभी को आंखों में सपने और दिल में जीत का जन्मा दे।

विनोद कुमार एडवोकेट बने डॉ. आंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति के अध्यक्ष

शाह टाइम्स संवाददाता चन्दौसी। मौलागढ़ में रविवार को अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ एवं डॉ. आंबेडकर मेमोरियल कमेटी की संयुक्त बैठक आयोजित की गई, जिसमें डॉ. भीमराव आंबेडकर जन्मोत्सव समारोह समिति के अध्यक्ष पद का चुनाव संपन्न हुआ। बैठक में सर्वसम्मति से विनोद कुमार एडवोकेट को समिति का नया अध्यक्ष चुना गया। उपस्थित पदाधिकारियों और सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए सफल आयोजन की उम्मीद जताई।

इस अवसर पर अंबेडकर युवक संघ के अध्यक्ष योगेश कुमार, डॉ. आंबेडकर मेमोरियल कमेटी के अध्यक्ष जसवंत सिंह, संस्थापक सतीश प्रेमी, हितेश कुमार, विमल कुमार, ब्रजगोपाल सिंह, नथूलाल, अरविंद कुमार, कोकराम सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

एक नजर

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में सभी शिक्षक संगठन एक मंच पर इकट्ठा

कांठ (शाह टाइम्स)। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ रिसालदार पार्क स्थित शिक्षक भवन में हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि



मोडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अभियान चलाया जाएगा। द्वितीय चरण में 23 से 25 फरवरी तक शिक्षक काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य करेंगे। तृतीय चरण में 26 फरवरी को प्रदेश के समस्त जिला बैसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए डीएम कार्यालय तक पैदल मार्च करते हुए जिलाधिकारी को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपेंगे। तथ्या मार्च के तीसरे सप्ताह में दिल्ली में महारेली आयोजित की जाएगी। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के मुरादाबाद के जिलाध्यक्ष डॉ. नीरज शर्मा ने इस फैसले का स्वागत किया। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष व ब्लॉक छजलैट के अध्यक्ष डॉ. कपिल सिरौही ने बताया कि सभी शिक्षक संगठनों के एक साथ आने से टी ई टी के विरोध में आंदोलन को गति मिलेगी। रिसालदार पार्क में आयोजित बैठक में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षा संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा, उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष योगेश त्यागी, उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सुलोचना मोदी, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के संजय सिंह, शिव शंकर पाण्डेय, राधे रमन त्रिपाठी उपस्थित रहे।

रोटी बेचने को लेकर हुई मारपीट में एक का चालान



कांठ (शाह टाइम्स) होटल संचालक द्वारा रोटी बेचने को लेकर हुई मारपीट के बाद पुलिस ने एक को गिरफ्तार कर चालान किया है। घटना 14 फरवरी की रात करीब 7:00 की है गढ़ी निवासी मोहम्मद सादाब पुत्र युनुस होटल पर रोटी बेचने का काम करता है वहीं उसके पास ही युसूफ पुत्र सदीक भी रोटी बेचने का काम करता है आरोप है कि 24 फरवरी की शाम को युसूफ से रोटी बेचने को लेकर कहासुनी हो गई।

इस पर वह नाजब हो गया और उसने एवं परिवार के लिए लोगों ने उसके पिता को लकड़ी की फटी से मारपीट कर लायल कर दिया। पीडित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी और आज युसूफ पुत्र सदीक को पुलिस ने गिरफ्तार कर उसका चालान किया है।

विश्व हिंदू महासंघ के मंडल सह प्रभारी बने राजीव

कांठ (शाह टाइम्स) विश्व हिंदू महासंघ की बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेंद्रनाथ अवधूत प्रदेश अध्यक्ष भिखारी प्रजापति प्रदेश महामंत्री



पीएम श्री उच्च प्राथमिक विद्यालय में वार्षिक उत्सव आज

कांठ (शाह टाइम्स)। नगर स्थित पीएम श्री उच्च प्राथमिक

विद्यालय (कंपोजिट) कंपोजिट में 17 फरवरी को वार्षिक उत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया है। यह जानकारी विद्यालय के ईंचार्ज प्रधानाध्यापक उदयवीर सिंह ने देते हुए बताया कि उच्चकोर उत्सव में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विद्यालय के मेधावी बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया जाएगा।

न्यायालय-सिविल जज (जू. डि.) फास्ट ट्रैक कोर्ट महोदय, मुरादाबाद। नम्बर मुकदमा :- 260/2024 तारीख पेशी:- 24.02.2026 महीपाल पुत्र स्व. प्रेम सिंह निवासी लाइनपार मझौला, नगर मुरादाबाद।

बनाम दिनेश कुमार पुत्र श्री निर्मल सिंह निवासी मझौला एकला कालोनी लाइनपार नगर, मुरादाबाद-प्रतिवादी। हरगाह वादी ने आपके नाम एक एवं नालिश बावत के दायर की है लिहाजा आपको हुक्म होना है कि तारीख 24 माह 02 सन् 2026 बवक्त 10 बजे दिन के असासलात या मार्फत के जो उमूर अहम मुताल्लिक के मुकदमे का जवाब दे सकें या जिसके पास कोई और शख्स जो जवाब ऐसे सवालात का दे सकें, हाजिर हो और जवाब देही दावे की करें और आपको वाजिव है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज पेश करें जिन्हें अपनी जवाब देही में इस्तेमाल करना चाहते हैं। आपको इल्लला दी जाती है कि आप अगर बरज मजकूर हाजिर न होंगे तो मुकदमा बरौर हाजिर आपके मन्सुख और फैसला होगा। दस्तख मेरे व मोहर आज बतारीख 16 के माह 02 सन् 2026 को जारी किया है।

प्रबंधक अतिरिक्त परिवार न्यायालय जनपद-मुरादाबाद।

न्यायालय-सिविल जज (जू. डि.) फास्ट ट्रैक कोर्ट जनपद-मुरादाबाद।

महिलाओं व बालिकाओं को दी हेल्पलाइन नंबरों की जानकारी



चन्दौसी। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा महिलाओं-बालिकाओं के सुरक्षार्थ व स्वालंबन हेतु चलाये जा रहे मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत सोमवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण करने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरूक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटीरोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों,

कस्बा, चौराहों, स्कूलों-कॉलेजों, धार्मिक स्थलों तथा अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर महिला पुलिसकर्मियों द्वारा मिशन शक्ति अभियान (फेज-5.0) के तहत सोमवार को जनपद सम्भल की मिशन शक्ति टीम में नियुक्त पुलिसकर्मियों द्वारा थाना क्षेत्रान्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में बालिकाओं को जागरूक करने के साथ ही महिला संबंधित समस्याओं के निस्तारण करने के संबंध में चौपाल का आयोजन कर जागरूक किया गया। महिलाओं एवं बालिकाओं के साथ जुड़कर उन्हें सशक्त एवं सुरक्षित वातावरण देने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही मिशन शक्ति-5.0 अभियान के अन्तर्गत जनपद की एंटीरोमियो टीम द्वारा प्रमुख बाजारों,

बीएलओ की बैठक में नए वोट बनाएं जाने पर जोर



कांठ (शाह टाइम्स)। बी एल ओ की बैठक का आयोजन आज तहसील सभागार में एसडीएम संत दास पवार की अध्यक्षता में किया गया जिसमें उन्होंने साफ कहा कि मृतक या विदेश में रहने वाले लोगों के वोट काटे जाएं लेकिन किसी सही व्यक्ति का वोट नहीं कटना चाहिए। उन्होंने कहा कि नए वोट बनाए जाने का प्रतिशत अभी कम है इसलिए सभी बीएलओ को जिम्मेदारी है की

विधायक कमाल अख्तर ने विस की कार्रवाई के दौरान उठाया भूड मंदिर के विकास को पर्याप्त धनराशि दिए जाने का मुद्दा

कांठ (शाह टाइम्स)। विधान सभा की कार्रवाई के दौरान आज क्षेत्रीय विधायक कमाल अख्तर ने प्रदेश में पर्यटन धरोहरों के विकास के नाम पर हो रहे पक्षपात और सरकार द्वारा चल रही असफल जल जीवन मिशन योजना का मुद्दा उठाया उन्होंने कहा कि कांठ में बिशनोई समाज के भूड मंदिर के जीर्णोद्धार एवं इसके विकास हेतु सरकार को धनराशि आवंटित करनी चाहिए उन्होंने बताया कि बिशनोई समाज के स्वर्गवासी पुण्य संत गुरु राजेंद्रानंद महाराज की प्रतिमा भी भूड मंदिर पर स्थापित कराई जा ताकि उनके अनुयायियों को भावनाओं का सम्मान हो सके। उन्होंने लाडला बाद स्थित शिव मंदिर का भी जिक्र किया और कहा कि वहां दूर-दूर से श्रद्धालु आते हैं लेकिन मंदिर तक जाने वाले मार्गों की स्थिति खराब है।

उन्होंने सरकार से उन मार्गों के शीघ्र निर्माण की मांग उठाई उन्होंने यह भी जानना चाहा कि प्रदेश में पर्यटन धरोहरों के विकास के नाम पर सरकार कौन-कौन सी योजनाएं चला



रही हैं और कितना बजट आवंटित किया गया है उन्होंने कहा कि सभी धर्म के धार्मिक स्थल एवं पर्यटन स्थलों को समान रूप से धन देकर उनके संरक्षण के लिए भी सरकार को विशेष बजट प्रदान करना चाहिए। कमाल अख्तर ने असफल जल जीवन मिशन पर भी जमकर प्रहार किया कहा कि पानी के बिना जीवन संभव नहीं है लेकिन प्रदेश के अनेक गांवों में स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पा रहा है बड़ी संख्या में लोग दूषित पानी पीकर बीमार हो रहे हैं

बीएसए ने शिक्षकों को समयबद्धता व जिम्मेदारी निभाने की दी नसीहत

शाह टाइम्स संवाददाता चन्दौसी। एस.एम. कॉलेज में सोमवार को परिषदीय विद्यालयों की जनपद स्तरीय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बैसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) अलका शर्मा ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बीएसए ने कहा कि जनपद संभल के छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता में उत्साह और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, लेकिन शिक्षकों में अपेक्षित जुनून और समयबद्धता की कमी देखने को मिली। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को बच्चों के साथ समय पर उपस्थित रहना चाहिए था, जबकि उनकी संख्या कम नजर आई। उन्होंने बताया कि 17 फरवरी को मंडलीय स्तर की प्रतियोगिता आयोजित होगी और यदि संपल जनपद के छात्र उसमें विजयी होते हैं तो वह सभी विजेता छात्र-छात्राओं के साथ डिनर कर उनका उत्साहवर्धन करेंगी। शिक्षकों को बच्चों को जिलाधिकारी, उपजिलाधिकारी और शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित प्रशासनिक व्यवस्था की जानकारी भी देनी चाहिए, ताकि विद्यार्थियों में जागरूकता और समझ विकसित हो सके।

जहां ओवर हेड टैंक बनाए गए हैं वहां आसपास के घरों तक पानी पहुंच रहा है।

जबकि पुरा गांव अभी पानी की समस्या से जूझ रहा है उन्होंने कहा कि कई जगह पाइप लाइन 4 फीट गहराई की जगह मात्र एक फिट पर ही डाली गई है जिससे पानी लीकेंज की समस्या लगातार बनी हुई है उन्होंने कहा कि सरकार पिछली सफल योजनाओं से सीख लेकर जल आपूर्ति व्यवस्था को पारदर्शी टिकाऊ और सर्व समावेशी बनाए

बिना दहेज के सुन्नत तरीके से निकाह कर मिसाल कायम की

शाह टाइम्स संवाददाता कुदरकी। क्षेत्र रतनपुर कला के निकटवर्ती गांव करनपुर निवासी मुर्तजा अली के पुत्र मोहम्मद जोशान (उत्तर प्रदेश पुलिस) ने बिना दहेज के सुन्नत तरीके से निकाह कर एक मिशाल कायम की है छ सुन्नत तरीके से निकाह करने पर मोहम्मद जोशान की खुब प्रशंसा की जा रही है और लोग मुबारकबाद पेश कर रहे हैं छ इसी कड़ी में दहेज विरोधी मंच ने भी मोहम्मद जोशान को दिली मुबारकबाद पेश की है छ आज के दौर में जहां लोग दहेज के लालच में आपसी संबंध खराब कर रहे हैं दहेज न मिलने पर बेटियों को तलाक देने की धमकी दे रहे हैं, वहीं मोहम्मद जोशान जैसे यूवा बिना दहेज के निकाह करके समाज को प्रेरित कर रहे हैं। यह जानकारी दहेज विरोधी मंच के संयोजक



बी०एच० मिलकी ने दी है छ उन्होंने मोहम्मद जोशान की प्रशंसा करते हुए कहा है कि मोहम्मद जोशान ने नक दिल और साधारण स्वभाव के व्यक्ति हैं, उन्हें समाजिक और धार्मिक कार्य में दिलचस्पी है छ समाज के अन्य लोगों को भी इसी

तर्ह सुन्नत तरीके से निकाह करने की कोशिश करनी चाहिए जिससे समाज में व्याप्त दहेज प्रथा और अन्य क्रूरतियों को हटाया जा सके जाएं की गई हैं। सद्व्यवहार और लाचारि वस्तुओं पर विशेष नजर रखी गई पुलिस अधिकारियों



ने बताया कि यह अभियान पूरी तरह एहतियातान है, ताकि किसी भी संभावित खतरों को समय रहते टाला जा सके। न्यायालय परिसर में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है और बाहर भी गश्त बढ़ा दी गई है। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल स्थिति सामान्य है, लेकिन सुरक्षा के मद्देनजर सतर्कता

बरती जा रही है। सुरक्षा एजेंसियां धमकी भरे ईमेल की जांच में जुटी हैं, ताकि भोजने वाले की पहचान कर आवश्यक कार्रवाई की जा सके। प्रशासन का कहना है कि आमजन को घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

एआई समिट

सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के सबसे बड़े टेक्नोलॉजी इवेंट में से एक इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का उद्घाटन किया। यह इवेंट 20 फरवरी तक नई दिल्ली के भारत मंडपम में चलेगा। इसमें 300 से ज्यादा कंपनियां भाग ले रही हैं। जैसाकि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने लिखा भी की इस समिट की थीम सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय यानि सबका भला और सबकी खुशी है। यह इंसानियत की तरक्की के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करने के हमारे साझा संकल्प को दिखाती है। एआई इम्पैक्ट समिट आम लोगों को इससे जोड़ने का काम करेगी और एआई को लेकर जो भ्रांतियां हैं, उसको दूर करेगी। इस समिट में आने वाली दुनियाभर की कंपनियां अपने लेटेस्ट एआई सॉल्यूशंस को दुनिया के सामने पेश करेंगे और इसको आम लोग देख सकेंगे कि एआई असल जिंदगी में कैसे काम कर सकता है और भविष्य में एआई से खेती सहित और शिक्षा क्षेत्र में क्या बदलाव लाने वाला है कि वह एज के फाउंडर और एग्जिक्यूटिव वाइस चेयरमैन संजीव बिखचंदानी ने उन बातों को निराधार बताया जिनमें कहा जाता रहा है कि एआई नौकरियों को संकट में डाल सकता है। उनका कहना है कि एआई नौकरियां खत्म नहीं कर रहा है, बल्कि काम की क्षमता को बढ़ा रहा है। उन्होंने युवाओं को सलाह भी दी कि वे एआई को अपनाएं वरना पीछे छूट सकते हैं, तो वहीं एचसीएल टेक्नोलॉजी के पूर्व सीईओ विनीत का कहना है कि एआई का असर 50 प्रतिशत नौकरियों पर पड़ेगा, लेकिन साथ ही उन्होंने यह कह डाला कि यह 50 प्रतिशत नए रोजगार के अवसर भी पैदा करेगा। सीएलएल नेशनल एआई फोरम के को चेयरपर्सन तेजप्रीत चोपड़ा का मानना है कि एआई दुनिया को बदल रहा है और हमारी जिंदगी का हिस्सा बनता जा रहा है और हेल्थकेयर खेती से लेकर शिक्षा और गवर्नंस तक एआई हर काम को आसान बना रहा है और यह नौकरियों को नहीं छीनने जा रहा है। वहीं माइक्रोसॉफ्ट इंडिया और साउथ एशिया के प्रजिडेंट पुनीत चंडोक ने भी कहा कि एआई नौकरियों को पूरी तरह खत्म नहीं करेगा बल्कि उनके काम करने की तरीके को बदलेगा। एआई किसी भी काम को छोटे हिस्सों में बाटेगा, जिससे काम आसान होगा। पीएम मोदी ने भी कहा है कि यह शिक्षा, हेल्थकेयर, एग्रीकल्चर तमाम क्षेत्रों के लिए एआई उपयोगी साबित होगा। उनका यह भी कहना है कि एआई टूल्स का इस्तेमाल छात्र अपनी पढ़ाई और करियर को बेहतर बनाने के लिए भी कर सकेंगे। इसमें तो कोई दोराय नहीं है कि यह नई तकनीकी का जमाना है और इनका उपयोग करके ही आगे बढ़ाया जा सकता है, लेकिन जैसे हर तकनीक को खतरे हैं, इसके भी अपने खतरे हैं।

ना कपर्दू, ना दंगा-यूपी में सब चंगा

आज का उग्र नए भारत की भावना के अनुरूप आगे बढ़ रहा है और आक्रांताओं के महिमामंडन को कतई स्वीकार नहीं करेगा, वर्ष 2017 के बाद प्रदेश में कोई बड़ा सांप्रदायिक दंगा नहीं हुआ, ना कपर्दू, ना दंगा-यूपी में सब चंगा, पिछली सरकार ने पीएसी को बंदी की कगार पर पहुंचा दिया था, लेकिन अब प्रदेश में 34 बाहिनियां सक्रिय हैं, जिनमें तीन नई महिला बटालियन-उदा देवी, झलकारी बाई और अवती बाई-शामिल हैं, उग्र अब अपनी सांस्कृतिक पहचान को मजबूती दे रहा है, प्रदेश में राम मंदिर, काशी विश्वनाथ धाम जैसे परियोजनाओं के माध्यम से धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को पुनर्स्थापित किया गया है।

-योगी आदित्यनाथ, मुख्यमंत्री, उप्र



मेरे जैसे उन तमाम लोगों को जिन्होंने किसी जमाने में 'दूरदर्शन' के शानदार उद्घोषकों के साथ टीवी के पर्दे पर अपनी सुबह और शामें बिताई हैं उन्हें इस वक्त जो चल रहा है उसे देखते हुए सौम्य व्यक्तित्व की धनी समाचार-वाचिका सरला माहेश्वरी के हाल में हुए निधन से उत्पन्न हुई रिक्तता की पीड़ा को महसूस करने में ज्यादा कठिनाई नहीं महसूस करना चाहिए।

पूजीपतियों की गोद में खेल रहे चैनलों में एक की एक महिला न्यूज एंकर को जब देश की जनता ने आक्रामक अंग्रेजी में यौन दुराचारी एप्सटीन का बचाव करते हुए देखा तो सन्न रह गई। एंकर ने जब तर्क दिया कि एप्सटीन की निजी दुराचारी जिंदगी जिसमें वह छोटी-छोटी बच्चियां का यौन शोषण करता था उसके सार्वजनिक जीवन जिसमें वह प्रभावशाली लोगों से संपर्क रखता था और दूसरों का उनसे करवाता था से पूरी तरह अलग थी तो न तो टीवी की स्क्रीन कांपी और न ही धरती।

जनता ने फिर देखा कि हिन्दी के एक प्रसिद्ध चैनल की एक तारिका एंकर जान दे रही है कि मुगल सम्राट बाबर किस तरह का बाइसेक्सुअल था। कैसे बाजार में घूमते हुए बाबर की नजर एक खूबसूरत लौंडे पर पड़ गई और बादशाह बेचैन हो उठे थे। जनता ने सिर्फ भगवानों की तरह से शासकों के भी अलग-अलग श्रंगारों में प्रतिदिन दर्शन कर रही है, उन एंकरों को भी सुबह-शाम देख रही है जो मेक-अप की मोटी-मोटी परतें चेहरों पर चढ़ाए मुल्क की गरीबी का मजाक उड़ाने वाले वस्त्र धारण करके देश के विकास पर बहसें करवाते रहते हैं। कम उम्र की युवा एंकर वक्ताओं से सवाल करती हैं 'झूठ बोलने का इतना कलेजा कहाँ से लाते हैं आप?'

एक जमाना था जब हम देखते थे कि 'दूरदर्शन' के साथ संबद्ध हिन्दी-अंग्रेजी के प्रतिभाशाली उद्घोषक विना किसी खौफ के इंदिरा गांधी के साथ कंधों से कंधा सटाकर फोटो खिंचवा रहे हैं, गर्व के साथ मुकुटाहटें बिखेर रहे हैं। हम आज देख रहे हैं कि बहसों के दौरान चैनलों पर गुराँते रहने वाले एंकर किस तरह शासकों के चरणों में लोटपोट हो सता-प्रतिष्ठान का प्रशस्तिगान कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ताजा उदाहरण है जिसमें अपनी कार की विंडो से राहुल गांधी चरण-चुंबक पत्रकारों को उनसे लगातार सत्ता-प्रेरित सवाल पूछते रहने के लिए यह जानते हुए भी फटकार लगाते दिखते हैं कि इससे (पत्रकारों को) कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है ! अब तो हो यह गया है कि अपनी प्रेस कांफ्रेंस में

2020 में, स्पेन के टोलेडो के एक समूह ने एक शोध पत्र प्रकाशित किया था, जिसका निष्कर्ष था-संगीत डिमेंशिया के उपचार का एक सशक्त तरीका हो सकता है और हाल ही में, स्पेन के ही एक अन्य समूह द्वारा प्रका. शित पेपर का शीर्षक है-संगीत बढ़ती उम्र से सम्बंधित संज्ञानात्मक विक. रां में परिवर्तित जीन अभिव्यक्ति की भरपाई कर देता है।

गोदी मीडिया के एपस्टीन दस्तावेज आखिर कब बाहर आएंगे!



सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो ताजा उदाहरण है जिसमें अपनी कार की विंडो से राहुल गांधी चरण-चुंबक पत्रकारों को उनसे लगातार सत्ता-प्रेरित सवाल पूछते रहने के लिए यह जानते हुए भी फटकार लगाते दिखते हैं कि इससे (पत्रकारों को) कोई फर्क नहीं पड़ने वाला है । अब तो हो यह गया है कि अपनी प्रेस वार्ता में किसी रिपोर्टर के खड़े होते ही राहुल समझ जाते हैं कि उनसे क्या सवाल पूछा जाने वाला है । सत्ता प्रतिष्ठान की तरह गोदी मीडिया ने भी अपनी चमड़ी मोटी कर ली है ।

किसी रिपोर्टर के खड़े होते ही राहुल समझ जाते हैं कि उनसे क्या सवाल पूछा जाने वाला है। सत्ता प्रतिष्ठान की तरह गोदी मीडिया ने भी अपनी

चमड़ी मोटी कर ली है। मीडिया के नाम पर जहरीले एंकरों और कतिपय पत्रकारों द्वारा जो किया जा रहा है वह भी एक तरह की माँब लिं।



चंग ही है। एक ऐसी लिंचिंग जिसमें देखने-सुनने वालों की निर्दोष आत्माओं का रक्तहीन संहार बे-रोकटोक किया जाता है। सत्ता पर कब्जबिज शासक संसदीय परंपराओं और संवैधानिक संस्थानों को बंधक बनाने में जुटे हैं और 'घोषित आपातकाल' के पहले शिकार मीडिया ने 'अघोषित आपातकाल' में लोकतंत्र को निस्तेज और प्रतिरोध को नपुंसक बनाने की सुपारी ले रखी है। सवाल यह है कि एप्सटीन की तरह 'गोदी मीडिया' के दस्तावेज कब बाहर आएंगे?

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

उम्र बढ़ने के कारणों की खोज एक नई पहल

ठूय्यां कि स्थित कोलॉबिया विश्वविद्यालय (जहां से मैंने उच्च शिक्षा प्राप्त की) के महामारी विज्ञानी डॉ. डेनियल बेल्स्की ने एक नया शब्द गढ़ा है जेरोसाइंस, जिसका अर्थ है बुढ़ापा या बढ़ती उम्र सम्बंधी विज्ञान। इसके तहत, उन्होंने एक अनाछा रक्त परीक्षण तैयार किया है जो यह बताता है कि कोई व्यक्ति किस रफ्तार से बुढ़ा हो रहा है। उनके दल ने एक विधि विकसित की है जिसमें वरिष्ठजन के डीएनए में एक एंजाइम के जरिए मिथाइल समूहों के निर्माण का अध्ययन किया जाता है। उन्होंने पाया है कि डीएनए पर मिथाइल समूहों का जुड़ना (मिथाइलेशन) उम्र बढ़ने के प्रति संवेदनशील है। इस एंजाइम को अक्सर जेरोजाइम कहा जाता है। मिथाइलेशन डीएनए और अन्य अणुओं का रासायनिक संशोधन है जो तब होता है जब को. शिकाएं विभाजित होकर नई कोशिका बनाती हैं।

जेरोजाइम को नियंत्रित करने के लिए कई शोध समूह औषधियों और अन्य तरीकों पर काम कर रहे हैं। यह प्रयास किसी भी व्यक्ति की बढ़ती उम्र को कैसे प्रभावित करते हैं? एक शोध समूह ने बताया है कि मेटफॉर्मिन नामक औषधि बढ़ती उम्र को लक्षित करने का एक साधन है (सेल मेटाबॉलिज्म, जून 2016), एक अन्य समूह ने पाया है कि यदि हम TORC1 एंजाइम को बाधित कर देते हैं, तो यह बुजुर्गों में प्रतिरक्षा को बढ़ा सकता है और संक्रमणों को कम कर सकता। हाल ही में, 'जोन बी। मेनिक और उनके दल ने नेचर एजिंग पत्रिका में प्रकाशित अपने शोध पत्र में मानव रोगों के पशु मॉडल्स की उम्र व जीवित रहने पर पैगमाइसिन औषधि के प्रभावों की समीक्षा की है। उन्होंने बताया है कि कैसे हम इस औषधि के अवरोधकों को

वृद्धावस्था के रोगों की मानक देखभाल में शामिल कर सकते हैं। डॉ. बेल्स्की को समूह ने विभिन्न सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि (अमीर-गरीब, ग्रामीण-शहरी) के लोगों में डीएनए मिथाइलेशन के स्तर का भी अध्ययन किया और पाया कि सामा. जिक-आर्थिक स्तर की प्रतिकूल परिस्थितियां भी इसमें भूमिका निभाती हैं। कोलॉबिया एजिंग सेंटर ने पाया है कि संतुलित आहार शोध को कम करके मरिक्क के स्वास्थ्य की देखभाल करता है, आवश्यक पोषक तत्वों की आपूर्ति करके उचित रक्त प्रवाह बनाए रखता है जो संज्ञानात्मक कार्य में सहायक होता है। वेबसाइट healthline.com बात को आगे बढ़ाते हुए बताती है कि प्रोटीन के स्वास्थ्यवर्धक स्रोत, स्वास्थ्यकर वसा और एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे सब्जियां, तेल से भरपूर खाद्य पदार्थ और बहुत सारे फल स्वस्थ बुढ़ाने में मदद करते हैं। भारत में हमारे लिए यह और भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि हमारे यहाँ (143 करोड़ की कुल जनसंख्या में से) 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों की कुल संख्या लगभग 10 करोड़ है। healthline.com का सुझाव है कि (जंतु और वनस्पति) प्रोटीन, पौष्टिक अनाज (गेहूं, चावल, रागी, बाजरा), तेल, फल और साँपट ड्रिक्स स्वस्थ बुढ़ाने में मदद करते हैं। यह मांसाहारियों और शाकाहारियों दोनों के लिए आसानी से उपलब्ध है।

व्यायाम से रोकथाम
स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने पाया है कि घायल या बूढ़े चूहों की शक्ति बढ़ाने वाली एक औषधि तंत्रिकाओं और मांसपेशीय तंतुओं के बीच कड़ियों को बहाल करती है। यह औषधि उम्र बढ़ने से जुड़े जेरोजाइम, 15-PGDH की गतिविधि



को अवरुद्ध करती है। यह जेरोजाइम उम्र बढ़ने के साथ और न्यूरोमस्क्युलर रोग के चलते मांसपेशियों में कुदरती रूप से बढ़ता है। लेकिन यह औषधि देने पर उभरदराज चूहों की शारीरिक गति. विधि फिर से बढ़ गई थी। मिनेसोटा का मेयो क्लीनिक नियमित शारीरिक गतिविधि के साथ लाभ बताता है। वजन पर नियंत्रणय स्ट्रोक, उच्च रक्तचाप, टाइप-2 डायबिटीज और कैंसर जैसी स्थितियों और बीमारियों से लड़ता है, मूड में सुधारय ऊर्जा देता है, अच्छी नींद लाता है, यौन जीवन बेहतर करता है और कहना न होगा कि यह मजेदार और सामाजिक हो सकता है। जैसे दूसरों से मेल-जोल होना, घूमना या खेलना। हम सभी, विशेष रूप से वरिष्ठ नागरिकों को, व्यायाम से बहुत लाभ होगा, और इस प्रकार जेरोजाइम बाधित होगा। संगीत भी जेरोजाइम को नियंत्रित कर सकता है और यह डिमेंशिया (स्मृतिभ्रंश) का इलाज भी हो सकता है।

स्रोत फीचर्स

मैमथ के फिर से जिंदा हो उठने की आस

एक कंपनी है कोलोसल जिसका उद्देश्य है विलुप्त हो चुके जंतुओं को फिर से साकार करना। इस बार यह कंपनी कोशिश कर रही है कि वुली मैमथ नाम के विशाल प्राणी को पुनः प्रकट किया जाए। अपने इस प्रयास में कंपनी के वैज्ञानिक आजकल के हाथियों की त्वचा कोशिकाओं को स्टेम कोशिकाओं में परिवर्तित करने में सफल हो गए हैं। स्टेम कोशिकाएं वे कोशिकाएं होती हैं जो किसी खास अंग की को. शिका में विभेदित नहीं हो चुकी होती हैं और सही परिवेश मिलने पर शरीर की कोई भी कोशिका बनाने में समर्थ होती हैं। योजना यह है कि इन स्टेम कोशिकाओं में जेनेटिक इंजी. नियरिंग की तकनीकों की मदद से मैमथ के जीन्स रोपे

जाएंगे और उम्मीद है कि यह कोशिका विकसित होकर एक मैमथ का रूप ले लेगी।

कोलोसल का उद्देश्य है कि एशियाई हाथियों का ऐसा क्लृपबा तैयार किया जाए जिसके शरीर पर वुली मैमथ जैसे लंबे-लंबे बाल हों, अतिरिक्त चर्बी हो और मैमथ के अन्य गुणधर्म हों। देखने में तो बात सीधी-सी लगती है क्योंकि सामान्य कोशिकाओं को बहुसक्षम स्टेम कोशिकाओं में बदलने में पहले भी सफलता मिल चुकी है और जेनेटिक इंजीनियरिंग भी अब कोई अजूबा नहीं है। जैसे एक शोधकर्ता दल ने 2011 में श्वेत राइनोसिरस और ड्रिल नामक एक बंदर से स्टेम कोशिकाएं तैयार कर ली थीं। इसके बाद कई अन्य जोखिमग्रस्त प्रजातियों के साथ भी ऐसा किया

जा चुका है। जैसे, तेंदुए, सुमात्रा का ओरांगुटान वगैरह, लेकिन पूरे काम में कई अगार-मगार हैं। अव्वल तो कई दल हाथी की स्टेम कोशिकाएं तैयार करने में असफल रह चुके हैं। जैसे कोलोसल की ही एक टीम एशियाई हाथी की को. शिकाओं को स्टेम कोशिकाओं में तबदील करने में असफल रही थी। उन्होंने शिन्या यामानाका द्वारा वर्णित रीप्रोग्रामिंग कारकों का उपयोग किया था। अधिकांश स्टेम कोशिकाएं तैयार करने के लिए इसी विधि का इस्तेमाल किया जाता है। इस असफलता के बाद एरिओना ह्योसोली की टीम ने उस रासायनिक मिश्रण का उपयोग किया जिसके उपयोग से मानव व मूषक कोशिकाओं को स्टेम कोशिकाओं का रूप देने में सफलता मिल चुकी थी, लेकिन इस उपचार के बाद हाथियों की अधिकांश कोशिकाएं या तो मर गई, या उनमें विभाजन रुक गया या कई मामलों में वे इस उपचार से अप्राभावित रहें, लेकिन चंद कोशिकाओं ने गोल आकार हासिल कर लिया जो स्टेम कोशिका जैसा था। अब टीम ने इन कोशिकाओं को यामानाका कारकों से उपचारित किया, लेकिन सफलता तो तब हाथ लगी जब उन्होंने एक कैंसर-रोधी जीन TP53 की अभिव्यक्ति को ठप कर दिया। इस तरह से शोधकर्ताओं ने एक हाथी से चार कोशिका वंश तैयार किए हैं। अब अगला कदम होगा हाथी की कोशिकाओं में जेनेटिक संपादन करके मैमथ जैसे गुणधर्म जोड़ना। इसके लिए उन्हें यह पहचानना होगा कि वे कौन-से जेनेटिक परिवर्तन हैं जो हाथी को मैमथनुमा बना देंगे। यह काम पहले तो सामान्य कोशिकाओं में किया जाएगा और फिर स्टेम कोशिकाओं में। पहले संपादित स्टेम कोशिकाएं तैयार की जाएंगी और फिर उन्हें ऊतकों जैसे बाल या रक्त में विकसित करने का काम करना होगा, लेकिन उससे पहले और भी कई काम होंगे, जैसे संपादित स्टेम कोशिकाओं को किसी प्रकार से शुक्राणुओं व अंडाणुओं में बदलना ताकि उनके निषेचन से भ्रूण बन सकें। यह काम चूहों में किया जा चुका है।



और भी कई काम होंगे, जैसे संपादित स्टेम कोशिकाओं को किसी प्रकार से शुक्राणुओं व अंडाणुओं में बदलना ताकि उनके निषेचन से भ्रूण बन सकें। यह काम चूहों में किया जा चुका है। इसका दूसरा रास्ता भी है-इन स्टेम कोशिकाओं को संश्लेषित भ्रूण में तबदील कर देना। एक समस्या यह भी आएगी कि भ्रूण तैयार हो जाने के बाद उनके विकास के लिए कोख का इंतजाम करना। इसके लिए टीम को कृत्रिम कोख का इस्तेमाल करना ज्यादा मुफीद लग रहा है क्योंकि हाथी की कोख में विकसित होने के दौरान मैमथ भ्रूण का

विकास प्रभावित हो सकता है। लिहाजा स्टेम कोशिकाओं से ही कोख तैयार करने की योजना है। दरअसल, शोधकर्ताओं के लिए यह प्रयास जोखिमग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण की दिशा में कदम है और इससे जीव वैज्ञानिक शोध में मदद मिलने की भी उम्मीद है। जैसे वैकासिक जीव वैज्ञानिक विसेंट लिंच का विचार है कि हाथियों की स्टेम कोशिकाओं पर प्रयोग यह समझा सकते हैं कि हाथियों को कैंसर इतना कम क्यों होता है।

-स्रोत फीचर्स

